PRESS CLIPPINGS

4th July, 2016

Sh. Tarun Vijay, Hon'ble Member of Parliament, Uttarakhand hands over Rs. 1 Crore for Rangers College Maintenance

3rd July, 2016

राष्ट्रीय सहारा
4 जुलाई, 2016

सांसद ने आईसीएफआरई को दिये एक करोड़

सांसद तरुण विजय ने एफआरआई में पत्रकार वार्ता कर दी जानकारी

कहा, वानिकी अनुसंधान के क्षेत्र में तेज होना चाहिए कार्य

रेंजर्स कालेज मैदान में होगा खेल सुविधाओं का विस्तार

■ देहरादून।

सहारा न्यूज ब्यूरो

राज्यसभा सांसद तरूण विजय ने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) व वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) को एक करोड़ रुपये की राशि दी है। सांसद निधि से प्रदान की गई इस राशि से आईसीएफआरई व एफआरआई में वानिकी अनुसंधान व अन्य विकासात्मक कार्य किये जायेंगे। रेंजर्स कालेज मैदान में खेल सुविधाओं का विस्तारीकरण भी इसी राशि से किया जायेगा। सांसद तरुण विजय ने एक दिन पहले आईसीएफआरई के महानिदेशक डा. शशि कुमार व एफआरआई की निदेशक डा. सविता की मौजूदगी में केंद्रीय पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रकाश जावडेकर को उनके आवास पर उक्त राशि का इंडेन्ट लैटर सौंपा है।

यह जानकारी सांसद तरूण विजय ने रविवार को एफआरआई के बोर्ड रूप में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में वानिकी का अहम स्थान है। एफआरआई द्वारा वानिकी अनुसंधान के क्षेत्र में जो कार्य किये जा रहे हैं वह सराहनीय है। उम्मीद जताई कि संस्थान के वन वैज्ञानिक आने वाले समय में और बेहतर अनुसंधान वानिकी के क्षेत्र में करेंगे। कहा कि जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में जो शोध परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं उनके परिणाम अनुकूल होंगे। वन वैज्ञानिकों को आपसी सामंजस्य के तहत शोध कार्यों को आगे बढ़ाना होगा। आईसीएफआरई के नव नियुक्त महानिदेशक डा. शशि कुमार ने कहा कि भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद अपने नौ संस्थानों के माध्यम से वानिकी क्षेत्र में रणनीतिक अनुसंधान कार्य व शोध परियोजनाओं को आगे बढ़ा रहा है। आवश्यकतानुसार वानिकी शिक्षा व अनुसंधान में विस्तार किया जा रहा है। कहा कि राज्यसभा सांसद द्वारा एमपीएलएडी फंड से जो राशि आईसीएफआरई को प्रदान की जा रही है उससे शोध परियोजनाओं व विकासात्मक कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। एफआरआई की निदेशक डा. सविता व अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिक भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

पत्रकार वार्ता करते राज्यसभा सांसद तरुण विजय।

दैनिक जागरण
4 जुलाई, 2016

अलग बने हिमालयी क्षेत्र की आवासीय नीति

- एफआरआइ पहुंचे राज्यसभा सांसद तरुण विजय ने पत्रकारों से बातचीत में की पैरवी
- एफआरआइ के रेंजर्स ग्राउंड में खेल सुविधाएं बढ़ाने के लिए सांसद निधि से दिए एक करोड़ रुपये

जागरण संवाददाता, देहरादून: राज्यसभा सांसद तरुण विजय ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल असर दिख रहे हैं। पहाड़ निरंतर आपदा का दंश झेल रहा है। ऐसे में आइसीएफआरई जैसे शोध एवं अनुसंधान संस्थान की मदद आपदा के असर को न्यून करने में ली जा सकती है। उन्होंने कहा कि आइसीएफआरई हिमालयी क्षेत्र की आवासीय नीति तैयार करने में सरकार की मदद करे ताकि यह तय किया जा सके कि आबादी के लिहाज से कौन-कौन से स्थान उपयुक्त है और कौन से संवेदनशील। इसी के तहत पुनर्वास आदि का मसौदा भी तय किया जा सकेगा।

यह बात उन्होंने वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआइ) में रविवार को आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कही। इस दौरान उन्होंने वन अनुसंधान संस्थान के रेंजर्स ग्राउंड में खेल सुविधाओं को बढ़ाने के लिए सांसद निधि से एक करोड़ की धनराशि दी। उन्होंने कहा कि वह पहले ऐसे सांसद हैं, जिन्होंने अपनी निधि किसी शोध संस्थान को दी है। प्रयास यह होना चाहिए कि संस्थान जलवायु परिवर्तन एवं वन अनुसंधान में विश्व में श्रेष्ठतम स्थान हासिल करे और दुनियाभर से शोधार्थी आकर यहां विभिन्न विषयों का ज्ञान प्राप्त करें। वहीं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक डॉ. शशि कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में बादल फटने की घटनाएं बढ़ी हैं। जलवायु परिवर्तन के साथ ही इसके कई अन्य कारक हैं। केंद्र सरकार इसे लेकर प्लान ऑफ एक्शन तैयार कर रही है। जहां तक आइसीएफआरई का प्रश्न है, इसके तहत नौ संस्थान अनुसंधान आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही रिसर्च एडवाइजरी ग्रुप भी स्थानीय लोगों को साथ लेकर कार्य कर रहे हैं। इस दौरान वन अनुसंधान संस्थान की निदेशक डॉ. सविता, आइसीएफआरई के उप महानिदेशक डॉ. जीएस गौराया, वन संवर्धन प्रभाग की हेड नीलू गेरा, उद्यमी डॉ. एस फारुख आदि उपस्थित रहे।

THE TRIBUNE
4 July, 2016

Tarun Vijay hands over Rs. 1 crore for ICFRE

DEHRADUN, JULY 3 (HTNS)

Tarun Vijay, Member of Parliament (Rajya Sabha) has a great interest and love for research activities related to environment and forests. Thus to promote development of research and other activities, he handed over an indent letter of Rs. 1 crore for Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE) to Prakash Javadekar, Union Minister for Environment, Forest and Climate Change in the presence of Dr Shashi Kumar, DG, ICFRE and Dr Savita, Director, FRI on July 2 at the residence of Javadekar.

ICFRE is an apex body in national forestry research system with its nine institutes strategically located throughout the country to cater to the research needs of all the provinces, involved in need based planning, promoting, conducting and coordinating forestry research, education and extension. Rs. 1 crore given by Tarun Vijay from his MPLAD funds will help in pursuing the cause. This money has been given specifically to improve the sports facility at Rangers' College Ground of FRI located in the city centre of Dehradun.

ICFRE and FRI expressed gratitude to Vijay for sharing the funds from MPLAD funds to promote the forestry cause.

GARHWAL POST
4 July, 2016

Tarun Vijay provides Rs 1 Cr for Rangers' College Ground

By OUR STAFF REPORTER

DEHRADUN, 3 Jul: Tarun Vijay, outgoing Member of Parliament (Rajya Sabha) from Uttrakhand, is the President of the Parliamentary Group on China Friendship. He is a member of the Parliamentary Standing Committee on Defence and the Parliamentary Consultative Committee on External Affairs. He is also a member of the Board of Governors, Parliamentary Network on World Bank and IMF. In addition to the above, he is an author, thinker, social worker and journalist.

He has a great interest and love for research activities related to the environment and forests. Thus, to promote development of research and other activities, he handed over an indent letter for Rs 1 Crore for the Indian Council of Forestry Research and Education, Dehradun, to Prakash Javadekar, Minister of State for Environment, Forest & Climate Change in the presence of Dr Shashi Kumar, DG, ICFRE and Dr Savita, Director, FRI, on 2 July at the minister's residence.

ICFRE is an apex body in the national forestry research system with its nine institutes strategically located throughout the country to cater to the research needs of all the provinces. It is involved in need based planning, promoting, conducting and coordinating forestry research, education and extension. An amount of Rs 1 Crore being given to it by Tarun Vijay from his MPLAD funds will help in pursuing the cause. This money has been given specifically to improve the sports facility at Rangers' College Ground of FRI located in the city centre of Dehradun.

ICFRE and FRI have expressed gratitude to the MP for the funds.

अमर उजाला
4 जुलाई, 2016

प्रदेश में बने हिमालय आवास नीति : तरुण

अमर उजाला ब्यूरो

वर्ल्ड हेरीटेज घोषित हो एफआरआई, सांसद ने रेंजर्स ग्राउंड के लिए एक करोड़ दिए

देहरादून। आपदा के दौरान लोगों के जान-माल की सुरक्षा बनी रहे, इसके लिए राज्यसभा सदस्य तरुण विजय ने रावत सरकार को हिमालय आवास नीति बनाने की सलाह दी है। उन्होंने रविवार को वन अनुसंधान संस्थान के रेंजर्स ग्राउंड के पुनरुद्धार के लिए अपनी निधि से एक करोड़ रुपये दिए। इस मौके पर सांसद ने कहा कि हिमालय आवास नीति बनाने में वन अनुसंधान संस्थान महती भूमिका निभाए।

सांसद तरुण विजय ने वन अनुसंधान संस्थान में एक करोड़ रुपये का इंडेंट लैटर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) के महानिदेशक डा. शशि कुमार को सौंपा। सांसद ने पत्रकारों को बताया कि आने वाले दिनों में अतिवृष्टि, भूस्खलन सरीखी आपदा का खतरा और बढ़ सकता है। ऐसे में स्पष्ट गाइडलाइन होनी चाहिए कि व्यक्ति कहां घर बना सकता है और कहां नहीं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में वह मुख्यमंत्री हरीश रावत से भी बात करेंगे। साथ ही सांसद ने आईसीएफआरई और एफआरआई के अधिकारियों को मशविरा दिया कि एफआरआई को विश्व धरोहर घोषित करने के लिए प्रयास करने चाहिए। इसके अलावा वह और भी सांसदों से बात करेंगे कि शोध संस्थानों को पैसा दें। आईसीएफआरई के महानिदेशक ने कहा कि शोध संस्थानों को पैसे की जरूरत भी है। इस मौके पर एफआरआई के निदेशक डा. सविता, नीलू गेरा, केपी सिंह आदि मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान
4 जुलाई, 2016

रेंजर्स ग्राउंड पचास लाख से संवरेगा

देहरादून। राज्यसभा सांसद तरुण विजय ने एफआरआई को खेल सुविधाओं को बढ़ाने के लिए सांसद निधि से एक करोड़ रुपये दिए हैं। इसमें से आधा बजट रेंजर्स ग्राउंड को सुधारने पर खर्च होगा।

रविवार को एफआरआई में आयोजित पत्रकार वार्ता में सांसद तरुण विजय ने कहा कि रेंजर्स ग्राउंड शहर के बीचों बीच खेल आयोजनों का प्रमुख केंद्र है, इसलिए इसका रख रखाव बेहतर तरीके से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन का सबसे ज्यादा प्रभाव पहाड़ों में आपदा के रूप में दिखाई दे रहा है, इसलिए एफआरआई जैसे शोध एवं अनुसंधान संस्थान को आपदा को रोकने की दिशा में काम करना होगा।

सांसद ने आईसीएफआरई से हिमालयी क्षेत्र की आवासीय नीति तैयार करने में सरकार की मदद करने की बात कही। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक डा. शशि कुमार ने प्रदेश में आयी आपदा पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि बादल फटने की घटनाएं काफी बढ़ रही हैं। इसके कई कारक हैं। आईसीएफआरई के नौ संस्थान प्राकृतिक आपदाओं का अध्ययन कर रहे हैं। पत्रकार वार्ता में एफआरआई की निदेशक डा. सुनीता, आईसीएफआरआई के उपनिदेशक जीएस गोराया,, नीलू गेरा, शशिधर सामंता आदि मौजूद थे।

दून दर्पण
4 जुलाई, 2016

तरूण विजय ने वन अनुसंधान संस्थान को दिये एक करोड़

देहरादून तीन जुलाई (**दर्पण संवाददाता**)। तरूण विजय, उत्तराखण्ड निर्वाचन क्षेत्र के संसद सदस्य (राज्य सभा), भारत-चीन मित्रता पर संसदीय समूह के अध्यक्ष हैं ये विदेश मंत्रालय में परामर्शदात्री संसदीय समिति तथा रक्षा मंत्रालय पर स्थाई संसदीय समिति के सदस्य हैं। यह राज्यपाल परिषद्, विश्व बैंक एवं आईएमएफ पर संसदीय नेटवर्क के सदस्य हैं। इसके अतिरिक्त ये भारतीय लेखक, विचारक, सामाजिक कार्यकर्ता व पत्रकार भी हैं। तरूण विजय को पर्यावरण एवं वनों से सम्बन्धित अनुसंधान कार्यकलापों में गहन रूचि एवं प्रेम है। अत: अनुसंधान एवं अन्य कार्यकलापों के विकास प्रोत्साहन के लिए उन्होंने १ करोड़ रूपये का इंडेन्ट लैटर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून को ०२ जुलाई, २०१६ को पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रकाश जावडेकर को उनके निवास स्थान पर डॉ. शशि कुमार, महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् व डॉ. सविता निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान की उपस्थिति में भेंट किया। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् अपने ९ संस्थानो जो सभी क्षेत्र के अनुसंधान आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु पूरे भारत भर में रणनीतिक ढंग से स्थित है। यह राष्ट्रीय वानिकी अनुसंधान प्रणाली में सर्वोच्च संस्था है व आवश्यकता आधारित योजनाओं, वानिकी अनुसंधान का संचालन एवं समन्वयन करने, शिक्षा एवं विस्तार में सम्मिलित है।

सांसद सदस्य, राज्य सभा, तरूण विजय द्वारा १ करोड़ रूपये, जो अपने एमपीएलएडी फंड से दिया जा रहा है, से काफी सहायता मिलेगी। यह धन विशेष रूप से देहरादून में स्थित वन अनुसंधान संस्थान में स्थित रेंजर्स कॉलेज ग्राउंड के खेल सुविधाओं के सुधार हेतु दिया गया है। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् व वन अनुसंधान संस्थान ने वानिकी कार्यों के उत्थान हेतु संसद सदस्य के एमपीएलएडी फंड से फंड देने के लिए कृतज्ञता व्यक्त की है। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद ने पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का फंड प्राप्त करने हेतु अपना अमूल्य समय देने हेतु उनका आभार व्यक्त किया है।

हिमाचल टाईम्स
4 जुलाई, 2016

एमपीएलएडी फंड से तरूण विजय ने दिये एक करोड़

देहरादून। राज्यसभा के पूर्व संसद सदस्य व भारत–चीन मित्रता पर संसदीय समूह के अध्यक्ष हैं ये विदेश मंत्रालय में परामर्शदात्री संसदीय समिति तथा रक्षा मंत्रालय पर स्थाई संसदीय समिति के सदस्य है। यह राज्यपाल परिषद्, विश्व बैंक एवं आईएमएफ पर संसदीय नेटवर्क के सदस्य हैं।

इसके अतिरिक्त ये भारतीय लेखक, विचारक, सामाजिक कार्यकर्ता व पत्रकार भी हैं। तरूण विजय को पर्यावरण एवं वनों से सम्बन्धित अनुसंधान कार्यकलापों में गहन रूचि एवं प्रेम है। अतः अनुसंधान एवं अन्य कार्यकलापों के विकास प्रोत्साहन के लिए उन्होंने 1 करोड रूपये का इंडेन्ट लैटर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून को बीती दो जुलाई, 2016 का पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रकाश जावडेकर को उनके निवास स्थान पर डा0 शशि कुमार, महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् व डा0 सविता निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान की उपस्थिति में भेंट किया। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् अपने 9 संस्थानों जो सभी क्षेत्र के अनुसंधान आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु पूरे भारत भर में रणनीतिक ढंग से स्थित है। यह राष्ट्रीय वानिकी अनुसंधान प्रणाली में सर्वोच्च संस्था है व आवश्यकता आधारित योजनाओं, वानिकी अनुसंधान का संचालन एवं समन्वयन करने, शिक्षा एवं विस्तार में सम्मिलित हैं। पूर्व सांसद सदस्य, राज्य सभा तरूण विजय द्वारा 1 करोड रूपये, जो अपने एम0पी0एल0ए0डी फंड से दिया जा रहा है, से काफी सहायता मिलेगी ।

उन्होंने कहा कि यह धन विशेष रूप से देहरादून में स्थित वन अनुसंधान संस्थान में स्थित रेंजर्स कॉलेज ग्राउंड के खेल सुविधाओं के सुधार हेतु दिया गया है। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद व वन अनुसंधान संस्थान ने वानिकी कार्यों के उत्थान हेतु माननीय संसद सदस्य के एमपीएलएडी फंड से फंड देने के लिए कृतज्ञता व्यक्त की है। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद ने पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का फंड प्राप्त करने हेतु अपना अमूल्य समय देने हेतु उनका आभार व्यक्त किया है।

शाह टाईम्स
4 जुलाई, 2016

तरुण ने एफआरआई को दिए एक करोड़

रेंजर्स कॉलेज ग्राउंड की खेल सुविधाओं को सुधारा जाएगा

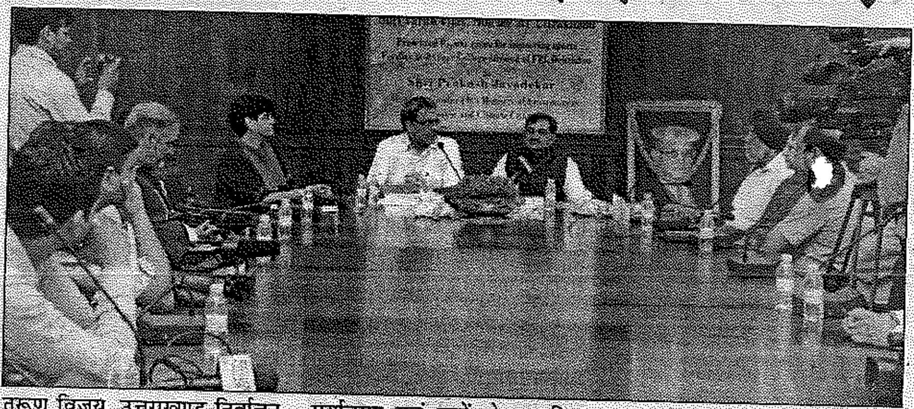

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। सांसद राज्यसभा तरूण विजय ने एक करोड रूपये अपनी एमपीएलएडी फंड से वन अनुसंधान संस्थान को देने का निर्णय लिया है। इस धनराशि से देहरादून में स्थित वन अनुसंधान संस्थान में स्थित रेंजर्स कॉलेज ग्राउंड के खेल सुविधाओं को सुधारा जायेगा।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद व वन अनुसंधान संस्थान ने वानिकी कार्यों के उत्थान को संसद सदस्य के एमपीएलएडी फंड से फंड देने के लिए कृतज्ञता व्यक्त की है। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद ने पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का फंड प्राप्त करने को अपना अमूल्य समय देने हेतु उनका आभार व्यक्त किया है। तरूण विजय, उत्तराखण्ड निर्वाचन क्षेत्र के संसद सदस्य (राज्य सभा), भारत-चीन मित्रता पर संसदीय समूह के अध्यक्ष हैं ये विदेश मंत्रालय में परामर्शदात्री संसदीय समिति तथा रक्षा मंत्रालय पर स्थाई संसदीय समिति के सदस्य है। ये राज्यपाल परिषद्, विश्व बैंक एवं आईएमएफ पर संसदीय नेटवर्क के सदस्य हैं। इसके अतिरिक्त ये भारतीय लेखक, विचारक, सामाजिक कार्यकर्ता व पत्रकार भी हैं। तरूण विजय को पर्यावरण एवं वनों से सम्बन्धित अनुसंधान कार्यकलापों में गहन रूचि एवं प्रेम है। अत: अनुसंधान एवं अन्य कार्यकलापों के विकास प्रोत्साहन के लिए उन्होने 1 करोड रूपये का इंडेन्ट लैटर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून को पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रक. श जावडेकर को उनके निवास स्थान पर डा. शशि कुमार, महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद व डा. सविता निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान की उपस्थिति में भेंट किया। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् अपने 9 संस्थानों जो सभी क्षेत्र के अनुसंधान आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु पूरे भारत भर में रणनीतिक ढंग से स्थित है। यह राष्ट्रीय वानिकी अनुसंधान प्रणाली में सर्वोच्च संस्था है व आवश्यकता आधारित योजनाओं, वानिकी अनुसंधान का संचालन एवं समन्वयन करने, शिक्षा एवं विस्तार में सम्मिलित हैं।

THE TRIBUNE

4 July, 2016

₹1 cr for Rangers College ground

Tarun Vijay gives letter to Prakash Javadekar

TRIBUNE NEWS SERVICE

DEHRADUN, JULY 3

The Rangers College ground in Dehradun is set to get a facelift as a grant of Rs 1 crore has been pledged for its renovation, development and upkeep.

Rajya Sabha MP Tarun Vijay handed over a letter to the effect was handed over to Prakash Javadekar, Union Minister of State for Environment, Forest and Climate Change (Independent Charge), in Delhi today. Vijay has donated the money from his MPLAD funds for the construction of a stadium for the benefit of young sportspersons of Uttarakhand.

Javadekar assured Vijay that the funds would be used for the desired purpose. Forest Research Institute Director Dr Savita and senior officials from the Union Ministry of Environment, Forest and Climate Change were present on the occasion.

Javadekar expressed grief over the loss of lives in cloudbursts and landslides in Uttarakhand and said the frequency of such incidents was increasing because of climate change. The government had been making preparations to tackle such natural disasters, he added.

I- NEXT

4 July, 2016

एफआरआई को एक करोड़ का फंड

राज्य सभा सांसद तरुण विजय ने एफआरआई में कई कार्यों के लिए एमपी निधि से एक करोड़ रुपये दिए हैं. सांसद ने प्राकृतिक एवं जलवायु परिवर्तन पर हो रहे शोध पर एफआरआई के योगदान पर चर्चा की. वही एफआरआई ने सांसद का आभार व्यक्ति किया.

उत्तराखण्ड केसरी
4 जुलाई, 2016

विकास कार्यों के लिए एफ.आर.आई. को सांसद तरुण विजय ने दिया 1 करोड़

देहरादून, 3 जुलाई (स.ह.): राज्यसभा सदस्य तरुण विजय ने वन अनुसंधान संस्थान को अपनी संसद निधि से अच्छी-खासी धनराशि देकर विकास को महत्वपूर्ण आयाम देने का काम किया है। वन अनुसंधान अंतर्राष्ट्रीय संस्थान है। एफ.आर.आई. के प्रेक्षागृह में मीडिया से चर्चा करते हुए सांसद तरुण विजय व एफ.आर.आई. के महानिदेशक डा. शशि कुमार ने यह जानकारी दी।

एफ.आर.आई. वनों के संवर्धन में विशेष भूमिका निभा रहा है। सांसद तरुण विजय उत्तराखंड निर्वाचन क्षेत्र के संसद सदस्य (राज्यसभा), भारत-चीन मित्रता पर संसदीय समूह के अध्यक्ष हैं। यह विदेश मंत्रालय में परामर्शदात्री संसदीय समिति तथा रक्षा मंत्रालय पर स्थायी संसदीय समिति के सदस्य हैं। यह राज्यपाल परिषद, विश्व बैंक एवं आई.एम.एफ. पर संसदीय नैटवर्क के सदस्य हैं। इसके अतिरिक्त ये भारतीय लेखक,

जानकारी देते महानिदेशक व तरुण विजय।

विचारक, सामाजिक कार्यकर्त्ता व पत्रकार भी हैं। तरुण विजय को पर्यावरण एवं वनों से संबंधित अनुसंधान कार्यकलापों में गहन रूचि व प्रेम है। अनुसंधान एवं अन्य कार्यकलापों के विकास प्रोत्साहन के लिए उन्होंने 1 करोड़ रुपए का इन्डैंट लैटर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद ने 2 जुलाई को पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रकाश जावड़ेकर को उनके निवास स्थान पर डा. शशि कुमार, महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद व डा. सविता निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान की उपस्थिति में भेंट किया।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद अपने 9 संस्थानों जो सभी क्षेत्र के अनुसंधान आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु पूरे भारत भर में रणनीतिक ढंग से स्थित है। यह राष्ट्रीय वानिकी अनुसंधान प्रणाली में सर्वोच्च संस्था है व आवश्यकता आधारित योजनाओं, वानिकी अनुसंधान का संचालन एवं समन्वयन करने, शिक्षा एवं विस्तार में सम्मिलित हैं। सांसद तरुण विजय द्वारा 1 करोड़ रुपए, जो अपने एम.पी.एल.ए.डी. फंड से दिया जा रहा है, से काफी सहायता मिलेगी। यह धन विशेष रूप से देहरादून में स्थित वन अनुसंधान संस्थान में स्थित रेंजर्स कालेज ग्राऊंड के खेल सुविधाओं के सुधार हेतु दिया गया है।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद तथा वन अनुसंधान संस्थान ने वानिकी कार्यों के उत्थान हेतु संसद सदस्य के एम.पी.एल.ए.डी. फंड से फंड देने के लिए कृतज्ञता व्यक्त की है। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद ने पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का फंड प्राप्त करने हेतु अपना अमूल्य समय देने हेतु उनका आभार व्यक्त किया।